सम्पादक- मौ0 रिजवान, मोबाईल नम्बर - 9045331234, 9058012102

ई-मेल : bulandaajtak@gmail.com

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI NO. UPHIN/2021/80497

बुलन्द आज तक

उत्तर प्रदेश- मुरादाबाद से प्रकाशित

● वर्ष : 04 अंक : 18 | मुरादाबाद | शुक्रवार 28 जून 2024 | पृष्ठ : 04 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त खबरें

एक्शन में ममता बनर्जी, अतिक्रमण को लेकर रेहड़ी वालों को दिया अल्टीमेटम

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि राज्य में रेहड़ी वालों को बेदखल करना हमारी सरकार का लक्ष्य नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने रेहड़ी-पटरी वालों को अपने सामान-दुकान के साथ फुटपाथ और सड़क खाली करने के लिए एक महीने का समय भी दिया है। बता दें कि ममता बनर्जी का ये बयान उस वक्त आया है, जब राज्य के कई हिस्सों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में रेहड़ी वालों के अतिक्रमण पर समीक्षा करते हुए इस मामले में सर्वेक्षण करने और 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट सौंपने के लिए एक समिति का भी गठन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार फेरीवालों के लिए जोन की पहचान करेगी, उनके रहने के लिए घर और उनके सामान रखने के लिए गोदाम बनाने और उन्हें पहचान पत्र जारी करेगी। इस समीक्षा बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष बनर्जी ने कहा, मुझे किसी की आय का स्रोत छीनने या किसी को बेरोजगार करने का कोई अधिकार नहीं है। राज्य में लाखों लोग फेरी लगाकर अपना परिवार चलाते हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया एक महीने तक कोई कार्रवाई नहीं होगी लेकिन इस महीने के दौरान फेरीवालों को फुटपाथ खाली करना होगा। हम एक सर्वेक्षण करेंगे और सरकार देखेगी कि वैध फेरीवालों को कहां रखा जा सकता है। उनके लिए गोदाम भी बनाए जाएंगे। लेकिन सड़कों पर कब्जा नहीं किया जा सकता। अगर नए फेरीवाले ऐसा करते हुए पाए गए, तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। राज्य में फेरीवालों के अतिक्रमण के संबंध में हुई इस बैठक में वरिष्ठ मंत्री, शासकीय और पुलिस अधिकारी के साथ सभी निगमों के मेयर और नगर पालिकाओं के अध्यक्ष मौजूद थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जोर देकर कहा कि सड़कों पर कब्जा करने के लिए नेता और पुलिसकर्मी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, कि पार्षदों को शुरू से ही इस पर नजर रखनी चाहिए थी। लेकिन वे इसे देखते ही नहीं। अगर कोई पार्षद किसी नए फेरीवाले को ऐसा करने में मदद करता है, तो उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इलाके के नेता पहले फेरीवालों से पैसे लेते हैं और उन्हें बैठने और व्यवसाय करने देते हैं। उसके बाद वे उन्हें बुलडोजर से गिरा देते हैं, राज्य में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

ममता बनर्जी ने आगे कहा, कि फेरीवालों को दोष देने का क्या फायदा? यह हमारी गलती है। हम न्यू मार्केट इलाके में इमारत क्यों नहीं बना रहे हैं? फेरीवालों को वहां शिफ्ट किया जाएगा। ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया न्यू मार्केट, जो पहले हॉग मार्केट के नाम से जाना जाता था, ये कोलकाता के बीचों-बीच खुले क्षेत्र में एक मार्केट कॉम्प्लेक्स है। न्यू मार्केट का इलाका फेरीवालों से भरा रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक महीने में फिर इस स्थिति की समीक्षा करेंगी।

मुंबई की कंपनी पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली । ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुंबई समूह पर छापेमारी के बाद तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ईडी ने मर्सिडीज बेंज और लेक्सस जैसी लक्जरी कारों, रोलेक्स और हब्लोट जैसे घड़ी ब्रांडों के अलावा 140 से अधिक बैंक खाते और लॉकर जब्त कर लिए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 975 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुंबई स्थित मंधाना इंडस्ट्रीज लिमिटेड (अब जीबी ग्लोबल लिमिटेड) और उसके प्रमोटरों के खिलाफ छापेमारी की। जिसके बाद तलाशी अभियान में ईडी ने मर्सिडीज बेंज और लेक्सस जैसी लक्जरी कारों, रोलेक्स और हब्लोट जैसे घड़ी ब्रांडों के अलावा 140 से अधिक बैंक खाते और लॉकर जब्त कर लिए।

ईडी ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने मंधाना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खिलाफ सीबीआई में 975.08 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर के मुताबिक, कंपनी, उसके निदेशक पुरुषोत्तम मंधाना, मनीष मंधाना, बिहारीलाल मंधाना और अन्य के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आया।

मंधाना इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके निदेशकों ने धोखाधड़ी वाले लेनदेन और सर्कुलर ट्रेडिंग के माध्यम से ऋण निधि को "डायवर्ट" करके बैंकों को नुकसान पहुंचाने और खुद को गलत लाभ पहुंचाने के लिए आपराधिक साजिश रची। ईडी के मुताबिक, तलाशी अभियान के बाद 140 से अधिक बैंक खाते, पांच लॉकर और शेयर और 5 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां जब्त कर ली गई हैं। छापे के दौरान रोलेक्स और हब्लोट जैसे ब्रांडों की कई घड़ियों के साथ-साथ एक लेक्सस और एक मर्सिडीज बेंज सहित तीन हाई-एंड कारें जब्त की गईं। ईडी के मुताबिक, मंधना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमोटर/निदेशकों और उनके परिवार के सदस्यों के खातों में धनराशि स्थानांतरित करने के लिए संदिग्ध तीसरे पक्ष के लेनदेन किए गए। आवास (हवाला) प्रविष्टियां प्रदान करने वाली विभिन्न संस्थाओं को किए गए भुगतान के खिलाफ फर्जी खरीदारी दर्ज की गई।

विदेशी राजदूतों ने की राष्ट्रपति के अभिभाष□ा की तारीफ, कहा-

आर्थिक ताकत के रूप में विकसित होगा भारत

डेनमार्क के राजदूत ने संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाष□ा को शानदार बताया और कहा कि उनका देश भारत को दुनिया में एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित होते हुए देखने के लिए उत्सुक है।

नई दिल्ली संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण की गुरुवार को विदेशी राजदूतों ने तारीफ की। डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वेन ने अभिभाषण को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि उनका देश भारत को एक मजबूत आर्थिक ताकत के रूप में विकसित होते देखने के लिए उत्सुक है। संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण के बारे में पूछे जाने पर स्वेन ने कहा, यह शानदार था। यहां क्या किया जाना है, इसको लेकर एक लंबा एजेंडा है। हम भारत को इस दुनिया की एक मजूबत आर्थिक शक्ति के रूप में बढ़ते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। यह एक बहुत बड़ी बात है। राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण को सुनने के लिए विभिन्न देशों के प्रतिनिधि संसद पहुंचे। इस्त्राइल के राजदूत नोर गिलन, सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग और अन्य देशों के राजदूत संसद पहुंचे। अधिकारियों ने संसद पहुंचने पर राजनयिकों का स्वागत किया। अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि आगामी संसद सत्रों में प्रमुख आर्थिक और सामाजिक फैसलों और ऐतिहासिक कदमों का एलान केंद्रीय बजट के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा, देश में छह दशक बाद पूर्ण बहुमत के साथ एक स्थिर सरकार बनी है। लोगों ने तीसरी बार इस सरकार में भरोसा दिखाया है। लोग जानते हैं कि केवल यह सरकार ही उनकी आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। 18वीं लोकसभा कई मायनों में ऐतिहासिक है। इस लोकसभा का गठन अमृतकाल के शुरूआती वर्षों में हुआ था। यह लोकसभा देश के संविधान को अंगीकार किए जाने के 56वें वर्ष की गवाह भी होगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, आगामी सत्रों में यह सरकार इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। ये बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्योन्मुखी दृष्टि का प्रभावी दस्तावेज होगा। बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसलों के साथ-साथ इस बजट में कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। स्लोवाकिया के राजदूत रॉबर्ट मैक्सियन ने कहा, आज राष्ट्र के भाषण को सुनना सौभाग्य की बात थी। हम अपने व्यापार औ? निवेश को बढ़ाकर भारत के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दायर

नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला

बंगलूरू कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कर रहे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने पॉक्सों मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत में गुरुवार को आरोप-पत्र दायर किया। इस साल मार्च में सदाशिवनगर पुलिस ने भाजपा के वरिष्ठ नेता के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। इसके बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने इस मामले को आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंपने का आदेश जारी किया था।

येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले महिला (54 वर्षीय) की फेफड़ों के कैंसर के कारण पिछले महीने यहां एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। सीआईडी ने मामले में 17 जून को येदियुरप्पा से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की थी। इससे पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में सीआईडी को येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने के रोकने का आदेश दिया था।

क्या है पूरा मामला

मामला एक नाबालिग लड़की (17 वर्षीय) की मां के शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने इस साल दो फरवरी को यहां डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की। हालांकि, येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज किया और कहा कि वह उनके खिलाफ साजिश रचने वालों को सबक सिखाएंगे।

टीएमसी विधायकों को शपथ लेने से नहीं रोक सकते राज्यपाल

कोलकाता पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर हंगामा मचा हुआ है। इस लेकर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्यपाल के पास शपथ ग्रहण प्रक्रिया को रोकने का कोई अधिकार नहीं है। इसके साथ ही टीएमसी प्रमुख ने कहा कि उन्हें एक महिला से कुछ शिकायतें मिलीं हैं। महिला ने दावा किया है कि कुछ घटनाएं सामने आने के बाद उन्हें राजभवन जाने में असुरक्षित महसूस होता है। ममता बनर्जी ने कहा ह्यएक महीना बीतने को है लेकिन मेरी पार्टी के विधायकों सायंतिका बंदोपाध्याय और रेयात हुसैन सरकार शपथ नहीं ले पा रहे हैं। राज्यपाल द्वारा शपथ ग्रहण में बाधा डाली जा रही है। विधायकों को जनता ने चुना है ना कि राज्यपाल ने। राज्यपाल के पास विधायकों को शपथ लेने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा कि हर किसी को राजभवन जाने की क्या आवश्वयकता है? राज्यपाल द्वारा विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को शपथ ग्रहण के लिए अधिकृत किया सकता है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ महिलाओं द्वारा जानकारी दी गई है कि हाल ही में घटी कुछ घटनाओं की की वजह से उन्हें राजभवन जाने में डर लगता है। आपको बता दें कि कुछ समय पहले राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया था कि उनके साथ छेड़छाड़ की कोशिश की गई।

लिफ्ट में हुई देवेंद्र फड□ावीस और उद्धव ठाकरे की मुलाकात

>> उद्धव ठाकरे ने कयासों पर लगाया विराम

हालांकि, शिवसेना-यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने इन कयासों पर विराम लगाते हुए कहा ह्यलोगों को ह्याना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठेह्न गीत याद आ रहा होगा लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ ह्न ठाकरे ने आगे कहा कि लिफ्ट के कान नहीं होते और इस तरह की मुलाकात होना एक अच्छी बात है। यह एक अप्रत्याशित मुलाकात थी और इसका कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए।

मुंबई महाराष्ट्र की राजनीति में नई चचाओं को बल मिला है। ऐसा इसलिए क्योंकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना-यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की गुरुवार को संयोगवश विधानसभा की लिफ्ट में मुलाकात हुई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के ठीक एक दिन पहले फडणवीस और ठाकरे एक साथ लिफ्ट का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान दोनों नेताओं बीच बातचीत भी हुई। इसे लेकर महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कयासों का दौर शुरू भी हो गया।

जिस समय लिफ्ट में लिफ्ट में फडणवीस और ठाकरे की मुलाकात हुई, उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक प्रवीण दारेकर भी वहीं मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लिफ्ट का दरवाजा खुलते ही देवेंद्र फडणवीस सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालय की ओर बढ़ गए और उद्धव ठाकरे विपक्षी पार्टी कार्यालय की ओर चले गए। दारेकर ने कयासों पर विराम लगाते हुए कहा कि उद्धव का सत्तारूढ़ दल के साथ जुड़ने का कोई इरादा नहीं है।

वोक्कालिगा महंत ने सिद्धरमैया से पद छोड़ने की अपील की, कहा-

शिवकुमार को सौंपी जाए सत्ता

बंगलूरू सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले एक महंत ने सार्वजनिक रूप से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से पद छोड़ने और राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को सत्ता सौंपने का आग्रह किया। महंत की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब सिद्धरमैया मंत्रिमंडल में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग बढ़ रही है। मांग की जा रही है कि वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों से एक-एक उपमुख्यमंत्री बनाया जाए। विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने बेंगलुरू के संस्थापक केम्पेगौड़ा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिवकुमार के पक्ष में आवाज उठाई। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं। यह समुदाय राज्य के दक्षिणी भागों में एक प्रमुख समुदाय है। चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने कहा, "राज्य में हर कोई मुख्यमंत्री बन गया है और सत्ता का सुख सभी ने भोगा है, लेकिन हमारे डी के शिवकुमार अभी तक मुख्यमंत्री नहीं बन पाए हैं, इसलिए अनुरोध है कि सिद्धरमैया कृपया हमारे डी के शिवकुमार को सत्ता सौंप दें और उन्हें आशीर्वाद दें।

स्कूल में आग लगने से झुलसीं दो टीचर्स

एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव की आशंका

कोलकाता पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने बुधवार को विभिन्न विभागों में कम से कम 552 रिक्तियां भरने को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने बताया कि रिक्तियों में शिक्षा विभाग में 35 पद, पशु संसाधन विकास विभाग में 270 और गृह विभाग में 100 अन्य पद शामिल हैं। कैबिनेट ने वन रक्षकों की भर्ती के नियमों में बदलाव को भी मंजूरी दी। अब से वन रक्षकों की नियुक्ति पुलिस भर्ती बोर्ड के बजाय पश्चिम बंगाल लोक सेवा आयोग द्वारा की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। सीएम ने मंत्रियों से उन क्षेत्रों में अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया, जहां लोकसभा चुनाव परिणाम सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहे। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बिराती रेलवे स्टेशन पर लोकल ट्रेन के यात्रियों ने एक महिला की इसलिए पिटाई लगा दी, क्योंकि उसने गोद में एक बच्चे को उठाया था।

उद्धव ने किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की; कांग्रेस ने दो नेताओं को किया निलंबित

>> छह साल के लिए पार्टी से निलंबित

महाराष्ट्र कांग्रेस ने विजय देवताले और असावरी देवताले को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया। दोनों चंद्रपुर जिले के नेता हैं और लोकसभा चुनाव में कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

>> किसानों का कर्ज को पूरी तरह से माफ होः ठाकरे

वहीं, उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले किसानों का कर्ज को पूरी तरह से माफ किया जाए और इसे लागू किया जाए।

मुंबई महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसको लेकर सियासी हलचल जारी है। इस बीच, कांग्रेस ने जहां अपने दो नेताओं को पार्टी से निलंबित कर दिया। वहीं उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) वाली शिवसेना ने कृषि ऋण को पूरी तरह से माफ करने की मांग की है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने गुरुवार को शुरू हुए राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार का विदाई सत्र बताया। उन्होंने कहा कि तुरंत पूरी तरह किसानों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए और इसे राज्य चुनावों से पहले लागू किया जाना चाहिए।

राज्य सरकार शुक्रवार को अपना बजट पेश करेगी। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्ष ने किसानों और नीट के मुद्दों पर विधान भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। नीट परीक्षा और अयोध्या राम मंदिर में पानी लीक की खबरों पर ठाकरे ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दोनों सरकारें लीकेज सरकार हैं।

पूर्वी इंफाल-बिष्णुपुर में सुरक्षा बलों ने चलाया तलाशी अभियान, भारी मात्रा में गोला-बरूद बरामद

इंफाल मणिपुर के पूर्वी इंफाल और बिष्णुपुर जिलों के कुछ हिस्सों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया। तलाशी के दौरान 11 ग्रेनेड, छह आईईडी, पांच 303 राइफल्स, तीन डेटोनेटर, एक कार्बाइन, एक हैंडगन, विभिन्न प्रकार के बम, गोला-बारूद और चार वॉकी-टॉकी पाए गए।

राज्य पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा, "पहाड़ी और घाटी जिलों के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा तलासी अभियान चलाया गया।" बता दें कि पूर्वी इंफाल घाटी क्षेत्र में है, जबकि, बिष्णुपुर जिला पहाड़ों में बसा है। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में हाई कैनाल के पास कीनू मैनिंग में तलाशी के दौरान एक एसएमजी कार्बाइन, एक नौ मिमी पिस्तौल, नौ ग्रेनेड, दो स्मोग बम और विभिन्न हथियार बरामद किए गए।

एक अन्य अभियान के तहत पूर्वी इंफाल जिले में तलाशी के दौरान पांच 303 राइफल्स, दो 12-बोर बंदूक, तीन भारी मोर्टार, एक नौ मिमी पिस्तौल, विस्फोटक और अन्य चीजें बरामद की गई।

>> एक साल से जारी है म□िपुर में हिंसा

बता दें कि मणिपुर में पिछले एक साल से ही हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में ह्यआदिवासी एकजुटता मार्चह्न के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

विचार

पीएम मोदी की रूस यात्रा के मायने

पीएम नरेंद्र मोदी का अगले माह रूस दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब रूस-चीन के बीच दोस्ती नए शिखर पर पहुंच गई है। रूस-चीन की इस दोस्ती पर भारत पैनी नजर गड़ाए है। यात्रा से भारत और रूस के बीच संबंधों को नया आकार देने की उम्मीद की जा रही है।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा पर जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि 8 जुलाई को पीएम मोदी मास्को के दौरे पर होंगे जहां उनकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात होगी। करीब 5 साल के बाद पीएम मोदी का यह रूस दौरा हो रहा है। भारत और रूस के बीच दोस्ती दशकों पुरानी है और आज भी हिंदुस्तान अपना सबसे ज्यादा हथियार रूस से खरीदता है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से बहुत बड़े पैमाने पर कम दर पर तेल खरीदा है। पीएम मोदी का यह दौरा एक दिन हो सकता है। यूक्रेन युद्ध और दक्षिण चीन सागर में चल रहे तनाव के बीच दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है और पीएम मोदी का यह दौरा दोनों देशों के बीच नई भागीदारी को जन्म दे सकता है। वहीं इस दौरे अमेरिका और चीन दोनों को ही तीखी मिर्ची लगने जा रही है। पीएम मोदी का यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह केवल रूस के दौरे पर जा रहे हैं। इसे ब्रिक्स के साथ शामिल नहीं किया जा रहा है जो अक्टूबर महीने में रूस के कजान में होने जा रही है।

पीएम मोदी लगातार तीसरी बार जहां पीएम बने हैं, वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लगातार पांचवीं बार मार्च में राष्ट्रपति बने हैं। इससे पहले आखिरी बार मोदी साल 2019 में रूस के व्लादिवोस्तोक शहर गए थे। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दो साल से जारी है। संकट की इस घड़ी में भारत ने रूस की मदद के लिए जमकर तेल खरीदा है। आलम यह है कि सऊदी अरब को पछाड़ रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया है। भारत को यह तेल कम दर पर मिला जिससे महंगाई को काबू करने में मदद मिली। वहीं भारतीय कंपनियों को अरबों डॉलर की आमदनी भी हुई है। भारत यह तेल तब खरीदा जब अमेरिका ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। बाइडेन प्रशासन ने भारत को रूसी तेल को लेकर गीदड़भभकी दी लेकिन भारत ने घुटने नहीं टेके। भारत का रूस तेल का आयात लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। अब भारत के तेल आयात का 40 फीसदी हिस्सा रूस से आ रहा है।

यही नहीं भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे साफ किया और यूरोप को इसका निर्यात कर दिया जिससे अरबों डॉलर की भारतीय कंपनियों को कमाई हुई है। दरअसल, यूरोपीय देशों ने यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस से सीधे तेल आयात पर बैन लगा दिया है। अमेरिका के दबाव के बाद भी भारत रूस से लगातार हथियार भी खरीद रहा है। भारत लगातार रूस के साथ रिश्ते को आगे बढ़ा रहा है जिस पर अमेरिका ने पैनी नजर गड़ा रखी है। भारत ने यूक्रेन पर रूस के हमले की आलोचना करने से इंकार कर दिया था। हालांकि पीएम मोदी ने युद्ध को लेकर पुतिन को खुलकर सुना भी दिया था। हाल ही में स्विटजरलैंड में आयोजित शांति सम्मेलन में भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किया था। पीएम मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों में और गर्माहट आएगी।

पंचाग

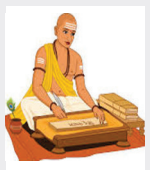

27 जून 2024 दिन गुरुवार आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष सस्ती तिथि विक्रम संवत 2081 शक संवत , **राहु काल:-** दोपहर 1:30 से 3:00 तक, **सूर्य उदय कालीन ग्रह विचार** :- सूर्य मिथुन राशि में चंद्र कुंभ राशि में मंगल मेष राशि में बुध और शुक्र मिथुन राशि में गुरु वृषभ राशि में शनि कुंभ राशि में राहु मीन राशि में और केतु कन्या में रहेगा, **सूर्य उदय कालीन नक्षत्र विचार:-** सुबह प्रातः काल कुंभ राशि का नक्षत्र शतभिषा का तृतीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया तांबा रहेगा प्रातः 10:00 बजे कुंभ राशि का नक्षत्र शतभिषा का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा जिसे नक्षत्र पाया तांबा रहेगा दोपहर 3:00 बजे कुंभ राशि का नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद का प्रथम चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया तांबा रहेगा शाम 9:00 बजे कुंभ राशि का नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद का द्वितीय प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया तांबा रहेगा, **योग:-** आयुष्मान। **करण:-** नक्षत्र के अनुसार राशि **नाम अक्षर** :- सी सू से सो, **आराधना का मंत्र:-** ऊँ वं वरुणाय अपांपतये नमः

राशिफल

पंडित अरविंद

मेष राशि:- समय आज से सुधर रहा है तनाव कम होगा मन प्रसन्न रहेगा कामकाज में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ राशि:- समय बढ़िया बना हुआ है काम-काज बढ़िया रहेगा यात्रा सुखद और लाभकारी रहेगी प्रेम संबंध मजबूत रहेंगे।

मिथुन राशि:- समय की अनुकूलता आपके पक्ष में बनी रहेगी इसका भरपूर लाभ उठाकर अपने आवश्यक काम एक-दो दिन में अवश्य करें।

कर्क राशि:- समय आज से बेहद अनुकूल हो रहा है कार्य क्षेत्र में आ रही बाधाएं दूर होंगी मन प्रसन्न रहेगा प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

सिंह राशि:- समय आज से ठीक हो रहा है कल का तनाव और परेशानी नहीं रहेगी काम काज ठीक होगा।

कन्या राशि:- ग्रहों का साथ लगातार बना हुआ है कार्यक्षेत्र बढ़िया रहेगा वैवाहिक जीवन सुधरेगा।

तुला राशि:- सितारों की अनुकूलता का भरपूर लाभ उठाकर अपने आवश्यक काम एक-दो दिन में अवश्य संपन्न कर लें।

वृश्चिक राशि:- समय आज बेहद शानदार है विरोधी पक्ष कमजोर होगा यात्रा सुखद होगी प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

धनु राशि:- समय आज के सामान्य हो रहा है तनाव और परेशानी कब होगी परंतु जरूरी काम अभी ना करें।

मकर राशि:- समय आज ठीक नहीं है सुख में कमी आ सकती है मन अशांत रहेगा काम काज साधारण रहेगा।

कुंभ राशि:- समय आज बेहद शानदार है कार्यक्षेत्र मजबूत होगा प्रेम संबंध सुधरेंगे।

मीन राशि:- समय आज सामान्य सा रहेगा मन थोड़ा शांत रहेगा जिसके चलते कामकाज में बाधा उत्पन्न हो सकती।

तिब्बत को खोखला कर रहा चीन

एक ओर जहां सभी देश पानी की कमी से जूझ रहे हैं और जल संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और पिघलते हुए ग्लेशियरों के कारण पानी की उपलब्धता अपने-आप में एक अहम चुनौती बनी हुई है वहीं चीन तिब्बत के ग्लेशियर जल संसाधनों को अधिक-से-अधिक बोतलबंद करने पर तुला हुआ है। चीन ने 2025 तक पचास लाख क्यूबिक मीटर बोतल बंद पानी उत्पादन का लक्ष्य रखा है। चीन के नियंत्रण वाले तिब्बती क्षेत्र में लगभग सैंतीस हजार ग्लेशियर हैं। तिब्बत में पानी की पर्याप्त मात्रा तो है ही, चीन के बाकी हिस्सों की तुलना में यहां पानी काफी सस्ता भी है। लेकिन यह रईसी ज्यादा समय तक नहीं चलने वाली। चीनी वैज्ञानिकों का कहना है ग्लेशियरों पर जितनी बर्फ हर साल बन रही है उससे कहीं ज्यादा तेजी से पिघल रही है। ग्लेशियर पानी का ऐसे शुद्ध रूप हैं जो हिमालयी नदियों को सदानीरा बनाए रखते हैं। ऐसे में बर्फ से ढंकी चोटियों पर मौजूद पानी को अगर ऊपर ही बोतलबंद कर दिया जाए तो उसे ज्यादा शुद्ध पानी माना जाता है।

शायद यही वजह है कि कंपनियां हिमालयी ग्लेशियरों के जलस्रोतों को बोतलबंद करके बेचने की बड़ी कवायद कर रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे लोगों से इस मूल्यवान जल संसाधन की बड़ी कीमतें वसूल कर बड़ा मुनाफा कमा सकती हैं। हालांकि यह उत्पादन चीन में वार्षिक रूप से उत्पादित बोतल बंद पानी का एक बहुत छोटा-सा हिस्सा है, फिर भी इसे देश के बोतलबंद पानी उद्योग में उछाल के नए बिंदु के तौर पर देखा जा रहा है। ग्लेशियर के जल संसाधनों को बोतलबंद किए जाने से तिब्बत के पर्यावरण को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हिमालयी ग्लेशियरों से छेड़छाड़ चीन या हिमालय पर निर्भर एशियाई देशों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकती है। हाल ही में चीन की एक गैर-लाभकारी संस्था 'चाइना वाटर रिस्क' ने 'बोटल्ड वाटर इन चाइना- बूम ऑर बस्ट' नाम से एक रिपोर्ट जारी करते हुए चीन को इस खतरे से आगाह भी किया है। अब सवाल उठता है कि चीन द्वारा बोतलबंद पानी के उद्योग को बढ़ावा देना कहां तक सुसंगत है।

अगर बोतलबंद पानी का उत्पादन ज्यादा बड़ा लगा तो उससे चीन और निचले देशों पर क्या प्रभाव पड़ेगा? पिछले तीन दशकों में किंघई-तिब्बत पठार में ग्लेशियर पहले ही पंद्रह फीसद घट चुका है। बोतलबंद पानी का उद्योग हिमालयी ग्लेशियरों में बढने से बहुत-से अनदेखे पर्यावरणीय खतरे खड़े होंगे। इसलिए सरकारों और निवेशकों को आगे बढ़ने से पहले अपनी योजनाओं पर फिर से सोच-विचार लेना चाहिए। हालांकि पानी के बढ़ते प्रदूषण ने बोतल बंद पानी की मांग को दिन-ब-दिन बढ़ा दिया है। इसलिए इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि कंपनियां किंघई-तिब्बत पठार जैसे ऊंचे इलाकों में बोतलबंद पानी के उत्पादन के लिए इकट्ठा हो रही हैं। चीन का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान इसी क्षेत्र में मौजूद है और साथ ही यही वह क्षेत्र है जहां से बड़ी अंतरराष्ट्रीय नदियां भी निकलती हैं। इस इलाके को थर्ड पोल यानी तीसरा ध्रुव के नाम से भी जाना जाता है। क्योंकि इसमें उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव के अलावा सबसे बड़ा साफ पानी का भंडार है।

किंघई-तिब्बत पठार बोतलबंद पानी उद्योग के निशाने पर पहले से ही

बढ़ते प्रदूषण के साथ पानी की गुणवत्ता एक चिंता का विषय है। ऐसे में बोतलबंद पानी इस चिंता को दूर करता है। लेकिन इसके पर्यावरणीय खतरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऊंचाई से पानी लाने के लिए इस्तेमाल होने वाली तकनीक और परिवहन बढ़ते जलवायु परिवर्तन के खतरों में इजाफा ही करेंगे। तिब्बत के पठार से उठने वाली हवाएं भी मौसम बदलने में मददगार होती हैं।

बना हुआ है। 2014 में सरकार ने टीएआर में बोतलबंद पानी के लिए 28 कंपनियों को लाइसेंस दिए हैं। इसी के साथ लगे शिनजियांग, किंघई और युन्नान प्रांतों में भी तेजी से बोतलबंद पानी का उद्योग पनप रहा है। इसमें कुछ कंपनियां तो ऐसी हैं जो सीधे ग्लेशियरों से ही पानी को बोतलबंद कर रही हैं। कंपनियां एवरेस्ट की पहाड़ियों के ग्लेशियर से भी पानी निकाल रही हैं। टिंगड़ी के नजदीक पश्चिमी तिब्बत में बोतलबंद पानी की एक फैक्टरी का यह दावा है कि यह एवरेस्ट के ग्लेशियरों से पानी लाकर पिला रही है। डिब्बों पर उत्तरी एवरेस्ट का निशान लगा होने से हालांकि यह साफ पता तो नहीं चलता कि पानी भी एवरेस्ट से लाया गया है या कंपनी एवरेस्ट को एक ब्रांड के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। कोमोलैंग्मा ग्लेशियर वाटर ऐसी ही एक कंपनी है जो एवरेस्ट के बेस कैंप से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कोमोलैंग्मा नेशनल नेचर रिजर्व से पानी लेकर बोतलबंद करती है, तो दूसरी ओर पामीर एन्शिएंट ग्लेशियर वाटर कंपनी ताजिकिस्तान के नजदीक पामीर पहाड़ियों में अटा नाम की चोटी की तलहटी के स्प्रिंग वाटर को बोतलबंद कर रही है।

इसमें कोई शक नहीं कि तिब्बत में भूजल का एक बड़ा भंडार है जिसे अभी तक इस्तेमाल ही नहीं किया गया है। लेकिन अगर कहें कि प्राकृतिक पेयजल उद्योग पर्यावरण-हितैषी होगा या हरित खपत को बढ़ावा देगा तो यह कपोल कल्पना ही है। जैसा कि कनाडा के सामाजिक कार्यकर्ता मॉड बार्लो कहते हैं 'बोतलबंद पानी का उद्योग धरती के सबसे ज्यादा प्रदूषण करने वाले उद्योगों में से एक है और साथ ही सबसे कम नियमन वाले उद्योगों में से भी एक है।' हाल ही में चीन में विकास का मॉडल जारी करते हुए एक मसविदा तैयार किया गया है। हालांकि विकास योजना का मसविदा तीन बिंदुओं पर रोशनी डालता है-सामाजिक स्थिरता, पर्यावरण और सुरक्षा। फिर भी चीन में पानी उद्योग पर्यावरणीय नीतियों की अनदेखी करते हुए लगातार बढ़ रहा है। बोतलबंद पानी के उद्योग के न केवल पर्यावरण संबंधी अनदेखे खतरे हैं बल्कि नियमों और क्रियान्वयन से संबंधित भी चुनौतियां खड़ी होने वाली हैं। अगर चीन अपने जल संसाधनों की सुरक्षा के लिए चिंतित है और नदियों के आसपास के सभी संरक्षित क्षेत्रों में दोहन संबंधी गतिविधियों पर पूरी तरह से पाबंदी लगाता है तो उस स्थिति में ये उद्योग किस तरह से काम करेंगे, उनके लिए क्या नियम-कायदे बनाए जाएंगे? किंघई-तिब्बत पठार न सिर्फ चीन के लिए बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण एशिया के लिए भी पानी का अहम स्रोत है। इस क्षेत्र में एशिया की दस बड़ी नदियों का उद्गम है जिनमें चीन की दो बड़ी नदियां यांगत्सी और येलो शामिल हैं। चीन को थोड़े-से विकास के लिए इस मूल्यवान जल संपदा का दोहन करने के बजाय लंबे समय की समृद्धि पाने के लिए संरक्षण करना चाहिए। लेकिन फिलहाल विकासवादी घोषणाओं और नीतियों को देखें तो वे पर्यावरण की नीतियों और योजनाओं से मेल खाती नजर नहीं आ रही हैं। यह क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से बहुत ही संवेदनशील है। अगर भविष्य की ओर देखें तो इससे निचले क्षेत्रों में नदियां सूख जाएंगी और भारी तबाही हो सकती है।

चीन इन नदियों और ग्लेशियरों के ऊपर की ओर स्थित है इसलिए चीन के अंदर कोई भी विकासवादी गतिविधि इस क्षेत्र की जल सुरक्षा पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है। पहले ही एक अंतरराष्ट्रीय नदी के क्षेत्र पर 124 गीगावाट की जल विद्युत परियोजना ने इस क्षेत्र में बहुत-सी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। क्या एक संरक्षित क्षेत्र से, जहां पहले से ही ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं, पानी लेना संगत है? क्या चीन को तिब्बत के पिघलते हुए ग्लेशियरों की कोई चिंता है? अगर इतनी ऊंचाई पर जाकर पानी को बोतलबंद किया जाएगा तो उसमें अलग तकनीकी व बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन की भी जरूरत पड़ेगी। इस सब की कीमत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, साथ ही परिवहन व तकनीकी से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को भी। तिब्बत सरकार बार-बार कह रही है कि यहां बोतलबंद पानी उद्योग लगाने से बोतलबंद पानी का निर्यात बढ़ेगा। क्या चीन की जल-सुरक्षा के लिए यह सही रास्ता है?

■ **संजय निगम**
(वरिष्ठ पत्रकार)

गर्मी के बढ़ते दिन और परेशानियां

लोगों के तन से होली के रंग छूटे भी नहीं थे कि पूरा उत्तरी भारत तीखी गर्मी की चपेट में आ गया था। कुछ जगह पश्चिमी विक्षोभ के कारण बरसात भी हुई, मगर ताप कम नहीं हुआ। देश के लगभग 60 फीसदी हिस्से में अब 35 से 45 डिग्री की गर्मी के कहर के 120 दिन हो गऐ हैं और चेतावनी है कि अगले दो हफ्ते मौसम ऐसा ही रहेगा। वैसे भी यदि मानसून आ भी गया, तो भले तापमान नीचे आए लेकिन उमस गर्मी की ही तरह तंग करती रहेगी। चिंता की बात है कि इस बार गर्मी के प्रकोप ने न तो हिमाचल प्रदेश की सुरम्य वादियों को बख्शा और न ही उत्तराखंड के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को। गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में लू का प्रकोप तेजी से बढ़ता दिखा। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश बुंदेलखंड की तरह तीखी गर्मी की चपेट में आ रहा है। यहां पेड़ों की पत्तियों में नमी के आकलन से पता चलता है कि आगामी दशकों में हरित प्रदेश कहलाने वाला इलाका बुंदेलखंड की तरह सूखे, पलायन व निर्वनीकरण का शिकार हो सकता है।

अब जून माह बीतने को है मगर अभी भी कई स्थानों का तापमान 30 के आसपास बना है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 122 साल बाद सबसे ज्यादा तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा पंतनगर का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक रहा। यह समझना होगा कि मौसम के बदलते मिजाज को जानलेवा हद तक ले जाने वाली हरकतें तो इंसान ने ही की हैं। प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है, कोई भी आधुनिक विज्ञान ऐसी दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता। आधुनिक ज्ञान के पास तात्कालिक निदान और कथित सुख के साधन तो हैं, लेकिन कुपित कायनात से जूझने में वह असहाय है। यह गर्मी अब इंसान के लिए संकट बन रही है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में हवा की गुणवत्ता को खराब किया है।

इसके अलावा लू लगने, चक्तर आने तथा रक्तचाप अनियमित होने से झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में 200 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। लगातार गर्मी ने पानी की मांग बढ़ाई है और संकट भी। पानी का तापमान बढना तालाब-नदियों की सेहत खराब कर रहा है। एक तो वाष्पीकरण तेज हो रहा है, दूसरा पानी अधिक गरम होने से जलीय जीव-जंतु व वनस्पति मर रहे हैं। तीखी गर्मी भोजन की पौष्टिकता की भी दुश्मन है। गेंहू, चने के दाने छोटे हो रहे हैं और उनके पौष्टिक गुण घट रहे हैं। तीखी गर्मी में पका हुआ खाना जल्दी सड़ रहा है, फल-सब्जियां जल्दी खराब हो रही हैं। केमिकल

इस बार गर्मी ने न हिमाचल प्रदेश की सुरम्य वादियों को बख्शा, न उत्तराखंड के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को। उम्मीद है कि इस बार की गर्मी से लोगों ने कुछ सबक लिया होगा। बढ़ती गर्मी का प्रश्न अब न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के लिए गंभीर हो गया है। इसलिए इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। वरना गर्मी का कहर हमें कहीं का नहीं छोड़ेगा।

लगा कर पकाये गये फल इतने उच्च तापमान में जहर बन रहे हैं। इस बार एक त्रासदी यह है कि रात का तापमान कम नहीं हो रहा, चाहे पहाड़ हो या मैदानी महानगर, दो महीनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक रहा है। सुबह चार बजे भी लू का एहसास होता है और इसका कुप्रभाव यह है कि बड़ी आबादी की नींद पूरी नहीं हो पा रही। इससे लोगों की कार्य क्षमता पर असर हो ही रहा है, शरीर में भी कई विकार बढ़ रहे हैं।

जो लोग सोचते हैं कि वातानुकूलित संयंत्र से वे गर्मी की मार से सुरक्षित है, तो यह भ्रम है। लंबे समय तक एयर कंडीशनर वाले कमरों में रहने से शरीर की नस-नाडियों में संकुचन, मधुमेह और जोड़ों के दर्द का खामियाजा जिंदगी भर भोगना पड़ सकता है। इस साल मार्च में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने भारत में एक लाख लोगों का सर्वे कर बताया है कि गर्मी/लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। चूंकि आर्थिक रूप से संपन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, पर गरीब ऐसा नहीं कर पाते। भारत के बड़े हिस्से में दूरस्थ अंचल तक 100 दिन के विस्तार में लगातार बढ़ता तापमान न केवल पर्यावरणीय संकट है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक त्रासदी तथा असमानता और संकट का कारक भी बन रहा है।

सवाल यह है कि प्रकृति के इस बदलते रूप के सामने इंसान क्या करे? यह समझना होगा कि मौसम के बदलते मिजाज को जानलेवा हद तक ले जाने वाली हरकतें तो इंसान ने ही की है। प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है, कोई भी आधुनिक विज्ञान ऐसी दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता। आधुनिक ज्ञान के पास तात्कालिक निदान और कथित सुख के साधन तो हैं, पर कुपित कायनात से जूझने में वह असहाय है। समय आ गया है कि इंसान बदलते मौसम के अनुकूल कार्य का समय, हालात, भोजन और कपड़े आदि में बदलाव करे। उमस भरी गर्मी और उससे उपजने वाली लू की मार से बचना है, तो अधिक से अधिक पारंपरिक पेड़ों को रोपना जरूरी है। शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि निर्मल रहेंगे, तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे। बिसरा चुके कुएं और बावडियों को जीवित करने से जलवायु परिवर्तन की इस त्रासदी से निपटा जा सकता है। आवासीय और व्यावसायिक निर्माण की तकनीकी और सामग्री में बदलाव, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, बहुमंजिला भवनों का इको-फ्रेंडली होना, उर्जा संचयन, शहरों की तरफ पलायन रोकना, ऑर्गेनिक खेती सहित कुछ ऐसे उपाय हैं, जो बहुत कम व्यय में देश को भट्टी बनने से बचा सकते हैं। उम्मीद है कि इस बार की गर्मी से लोगों ने कुछ सबक लिया होगा। बढ़ती गर्मी का प्रश्न अब न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के लिए गंभीर हो गया है। इसलिए इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। वरना गर्मी का कहर हमें कहीं का नहीं छोड़ेगा।

■ **पंकज चतुर्वेदी**
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

रूस की मार्केट में चीन का लगातार जम जाना आने वाले वक्त में रूस को कमजोर कर देगा जो पुतिन नहीं चाहते। वे चीन से छुटकारा चाहते हैं।

■ **रिसर्ड वर्मा, पूर्व राजदूत**

भारत-रूस, ऐतिहासिक साझेदार रहे हैं और तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में नई साझेदारी की तलाश कर रहे हैं। पीएम मोदी की यात्रा से संबंध और मजबूत होंगे।

■ **तरनजीत संधू, सामरिक विशेषज्ञ**

सत्यार्थ

हार से क्रोध का कनेक्शन

बहुत समय पहले की बात है नवनीत। आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच सोलह दिन तक लगातार शास्त्रार्थ चला। शास्त्रार्थ की निर्णायक थीं मंडन मिश्र की धर्म पत्नी देवी भारती। हार-जीत का निर्णय होना बाकी था, इसी बीच देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से कुछ समय के लिये बाहर जाना पड़ गया। लेकिन जाने से पहले देवी भारती नें दोनों ही विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, यें दोनो मालाएं मेरी अनुपस्थिति में आपके हार और जीत का फैसला करेंगी। यह कहकर देवी भारती वहां से चली गई। शास्त्रार्थ की प्रकिया आगे चलती रही। कुछ देर बाद देवी भारती अपना कार्य पूरा करके लौट आई। उन्होंने अपनी निर्णायक नजरों से शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी-बारी से देखा और अपना निर्णय सुना दिया। उनके फैसले के अनुसार आदि शंकराचार्य विजयी घोषित किए गए और उनके पति मंडन मिश्र की पराजय हुई थी। सभी लोग ये देखकर हैरान हो गए कि बिना किसी आधार के इस विदुषी ने अपने पति को ही पराजित करार दे दिया। एक विद्वान नें देवी भारती से नम्रतापूर्वक जिज्ञासा की-हे ! देवी आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं फिर वापस लौटते ही आपनें ऐसा फैसला कैसे दे दिया? देवी भारती ने जवाब दिया- जब भी कोई विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है, और उसे जब हार की झलक दिखने लगती है तो इस वजह से वह क्रोधित हो उठता है और मेरे पति के गले की माला उनके क्रोध की ताप से सूख चुकी है जबकि शंकराचार्य जी की माला के फूल अभी भी पहले की भांति ताजे हैं। इससे ज्ञात होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है। विदुषी देवी भारती का फैसला सुनकर सभी दंग रह गए, सबने उनकी काफी प्रशंसा की। क्रोध मनुष्य की वह अवस्था है जो जीत के नजदीक पहुंचकर हार का नया रास्ता खोल देता है। क्रोध न सिर्फ हार का दरवाजा खोलता है, बल्कि रिश्तों में दरार का कारण भी बनता है। इसलिए कभी भी क्रोध को खुद पर हावी ना होने दें। कोध्र से भ्रम पैदा होता है, भ्रम से बुद्धि व्यग्र होती है, जब बुद्धि व्यग्र होती है तब तर्क नष्ट हो जाता है, जब तर्क नष्ट होता है, तब व्यक्ति का पतन हो जाता है।

कानून का राज सुशासन की पहली शर्त : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने यूपी-112 द्वितीय चरण के अंतर्गत उच्चीकृत पीआरवी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

■ लखनऊ

कानून का राज सुशासन की पहली शर्त है। इसके लिए सुरक्षा एवं संरक्षा का बेहतर वातावरण होना चाहिए। सुरक्षा का वातावरण राज्य का दायित्व है। हमारी पुलिस इसका बखूबी निर्वहन करती है। समय के अनुरूप पुलिस का आधुनिकीकरण कर सकें, यह मांग लंबे समय से चली आ रही थी। प्रधानमंत्री ने डीजी कॉन्फ्रेंस में देश भर के पुलिस महानिदेशकों के सामने कानून के परिवर्तन के साथ ही स्मार्ट पुलिसिंग की नई अवधारणा पर आधारित नई दृष्टि दी थी। उन्होंने स्ट्रिक्ट एंड सेंसेटिव, मॉडर्न एंड मोबाइल, अलर्ट एंड अकाउंटबिल, रिलायबल एंड रिस्पांस, टेक्नोसेवी व ट्रेंड होने की बात कही थी। यूपी पुलिस ने इन सभी बातों को अक्षरशः उतारने का प्रयास किया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर यूपी-112 द्वितीय चरण के तहत उच्चीकृत पीआरवी का फ्लैग ऑफ किया। साथ ही वातानुकूलित हेलमेट का वितरण किया। सीएम ने कहा कि यह कार्यक्रम स्मार्ट पुलिसिंग की सात वर्ष की प्रक्रिया को नई ऊंचाई की ओर पहुंचाने का अभियान है। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, एडीजी यूपी 112 नीरा रावत आदि मौजूद रहे।

कानून के राज ने पुलिस को बनाया विश्वास का प्रतीक : सीएम योगी ने कहा कि पिछले सात वर्ष के अंदर यूपी पुलिस ने देश के अंदर न केवल अपनी नई पहचान बनाई है, बल्कि यूपी को भी नई पहचान दिलाने में महती भूमिका का निर्वहन किया है। सात वर्ष में यूपी में कानून का राज दिखाई दिया है। कानून के राज ने पुलिस को भी सम्मान और विश्वास का प्रतीक बनाया तो राज्य में निवेश, व्यापार की नई संभावनाओं के साथ विकास और रोजगार के नए युग में ले जाने का कार्य किया। सीएम ने कहा कि समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आधुनिकीकरण पर ध्यान नहीं देंगे तो पुलिस बल पिछड़ जाएगा। ऐसा होने से सबसे खतरनाक असर सामान्य नागरिकों की सुरक्षा पर पड़ेगा। जनता का विश्वास एक बार व्यवस्था से हटा तो उसे बहाल करने में लंबे समय तक कवायद करनी पड़ेगी।

पहली बार यूपी पुलिस बल के लिए फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का हुआ गठन : सीएम ने कहा कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में नए युग में प्रवेश किया है। निवेश, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कैसी होनी चाहिए, यूपी ने इसका उदाहरण प्रस्तुत किया है। बड़े महानगरों को छोड़ विकास प्रक्रिया से जुड़े किसी भी सामान्य जनपद में सबसे ऊंची बिल्डिंग पुलिस लाइन के अंदर बन रहे पुलिस के आधुनिक बैरक की है। यहां अवस्थापना सुविधाओं का विकास और ट्रेनिंग की क्षमता को बढ़ाया गया। पुलिस बल के आधुनिकीकरण के अनेक प्रयास हुए। पहली बार यूपी पुलिस बल के लिए फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का गठन किया गया। गत वर्ष पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है।

तीन वर्ष का कार्यक्रम शासन ने तय किया, फ्लीट में शामिल होंगे 6278 वाहन : योगी ने कहा कि हमने यूपी-112 के रिस्पांस टाइम को कम करने और पीआरवी-112 की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया। सात वर्ष में फोर व्हीलर के साथ टू व्हीलर भी शामिल किया गया, जिससे गली-मोहल्लों तक पीआरवी आमजन की सेवा के लिए पहुंच सके। कोरोना काल में लॉकडाउन के समय यूपी पुलिस का पीआरवी 112 सुर्खियों में बना था। लोगों ने पुलिस बल के सेवाभाव को देखा था। जिन गली-मोहल्लों में फोर व्हीलर नहीं जा सकती, वहां टू व्हीलर की सुविधा पहुंची। अगले तीन वर्ष का बड़ा कार्यक्रम शासन ने तय किया है। इस फ्लीट में 6278 फोर और टू व्हीलर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास प्रारंभ किया है। इस वर्ष 1778 फोर-टू व्हीलर को फ्लीट का हिस्सा बनाने वाले हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कानपुर पुलिस के प्रयासों की सराहना की

कानपुर ट्रैफिक पुलिस की ओर से कर्मचारी कल्याण के लिए एसी हेलमेट प्रदान करने की अभिनव पहल की गई। इसका निर्माण हैदराबाद की कंपनी ने किया है। कानपुर मेट्रो में काम कर रही एफकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर ने कानपुर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए सीएसआर गतिविधि के माध्यम से सहयोग दिया है। सीएम ने कानपुर ट्रैफिक पुलिस के आरक्षी सुगौरव तिवारी को हेलमेट पहनाया। सीएम ने कहा कि गर्मी के नए रिकॉर्ड टूटे हैं। अंतिम चरण की चुनाव ड्यूटी के लिए जब पुलिस व कर्मचारी प्रस्थान कर रहे थे तो एक ही दिन में दर्जनों मौतें हुईं। उस समय तापमान बहुत अधिक था। लू-भीषण गर्मी में भी यूपी पुलिस लोगों को बेहतर सुविधा देती है। ट्रैफिक पुलिस के जवान चौराहे पर खड़े होकर यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करते है। कई बार ऐसा करते-करते जवान बेहोश हो जाते हैं या कोई अप्रिय घटना हो जाती है। यह एसी हेलमेट कुछ हद तक मदद करने में सहभागी बनेगा। सीएम ने कहा कि कानपुर कमिश्नरेट पुलिस का यह प्रयास सराहनीय है।

पीजीआई में चार नए एकीकृत सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों को मंजूरी

■ लखनऊ

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई 100वीं शासी निकाय की बैठक में हुए कई अहम निर्णय

मुख्य सचिव एवं एसजीपीजीआईएमएस के अध्यक्ष दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में गुरुवार को 100वीं शासी निकाय की बैठक संस्थान के बोर्ड रूम में हुई। मुख्य सचिव ने रेडियोथेरेपी और ऑन्कोलॉजी, पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और कार्डियो वैस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी में नए एकीकृत छह साल के सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी। उन्होंने रजिस्ट्रार कर्नल वरुण वाजपेयी को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से उचित मंजूरी ली जाए।

शासी निकाय द्वारा एसजीपीजीआइएमएस में चार नए विभाग पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स विभाग तथा टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ विभाग शुरू करने का निर्णय लिया गया। इससे पूर्व शासी निकाय को इन नए विभागों की आवश्यकता से अवगत कराया और बताया गया कि वे बाल रोगियों को विशेष देखभाल प्रदान करने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। टेलीमेडिसिन विभाग, एसजीपीजीआइएमएस के विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभागों को आउटरीच सेवाएं प्रदान करेगा और रोग निगरानी, डेटा संग्रह, विश्लेषण और डेटा के आधार पर समुचित और प्रासंगिक निर्णय लेने की सुविधा भी प्रदान करेगा। संस्थान के निदेशक प्रो.आर.के. धीमान ने शासी निकाय को पिछले दो वर्षों में की गई विभिन्न भर्तियों के बारे में भी अवगत कराया। निदेशक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विभिन्न विभागों में 91 संकाय पद भरे गए हैं और 1459 में समूह ख और ग के भी पद भी भरे गए हैं।

1,510 करोड़ रुपए से निर्मित होगी अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी

बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट एलएलपी और यीडा के बीच फिल्म सिटी को लेकर हुआ कंसेशन एग्रीमेंट

■ लखनऊ

सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी आकार ले रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के तहत नोएडा के सेक्टर 21 में बनने वाली यह फिल्म सिटी 8 वर्षों में पूरी तरह बनकर तैयार होगी, जबकि पहले चरण में तीन साल के अंदर यहां फिल्मों से संबंधित फैसिलिटीज और फिल्म इंस्टीट्यूट बनकर तैयार हो जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर 1,510 करोड़ रुपए का खर्च किया जाएगा। गुरुवार को फिल्म सिटी का निर्माण करने वाली बोनी कपूर और आशीष भूटानी की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट एलएलपी और यीडा के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया गया। कंसेशन एग्रीमेंट प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुणवीर सिंह और बोनी कपूर के बीच हस्ताक्षरित हुआ। इस दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रुति एवं आशीष भूटानी भी उपस्थित रहे।

1,095 दिनों में फिल्म फैसिलिटी की होगी शुरुआत : यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि फिल्म सिटी के पूरे प्रोजेक्ट को 8 वर्ष या 2,920 दिन में पूरा किया जाएगा। वहीं फिल्म फैसिलिटीज और फिल्म इंस्टीट्यूट के लिए 3 वर्ष या 1,095 दिनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर कुल 1,510 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। पहले दो साल में फिल्म सिटी के निर्माण में 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे तो तीसरे वर्ष 75 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं चौथे से 8वें साल के बीच इस पर 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्टूडियो बैकलॉट्स और ओपेन सेट्स समेत फिल्मिंग कंपोनेंट्स पर 832.91 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जबकि हॉस्पिटैलिटी पर 373.93 करोड़ रुपए, सर्विस एकमोडेशन पर 315.07 करोड़ रुपए, ऑफिस पर 109.60 करोड़ रुपए और इंफ्रास्ट्रक्चर पर 76.44 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

156 एकड़ में निर्मित होंगे फिल्मी कंपोनेंट्स : भूमि की बात करें तो कुल 230 एकड़ क्षेत्र में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 135 एकड़ क्षेत्र में फिल्मिंग फैसिलिटी विकसित की जाएंगी। वहीं 21 एकड़ क्षेत्र में फिल्म इंस्टीट्यूट बनेगा। इस तरह कुल 156 एकड़ में फिल्मिंग कंपोनेंट्स को विकसित किया जाएगा। वहीं शेष 75 एकड़ में कमर्शियल कंपोनेंट्स स्थापित किए जाएंगे। इनमें सर्विस एकमोडेशन 57 एकड़ में, हॉस्पिटैलिटी-डॉर्मिटरी 2.37 एकड़ में, हॉस्पिटैलिटी-अपस्केल 5.15 एकड़ में, हॉस्पिटैलिटी अपर अपस्केल में 3.60 एकड़ में, एफएंडबी फोकस्ड रिटेल डेवलपमेंट 5.15 एकड़ में और कमर्शियल ऑफिस 2.37 एकड़ में निर्मित होगा।

वर्ल्ड क्लास फिल्म सिटी बनाने का वादा

साइनिंग सेरेमनी के दौरान फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने कहा कि ये जो फिल्म सिटी का कार्य हो रहा है, हमारी तैयारी इसकी साइनिंग से पहले ही शुरू हो चुकी है। हाल ही में मैं लंदन और एलए गया और वहां काफी स्टूडियोज का अवलोकन किया। जो नए स्टूडियोज बने हैं, वहां किस तरह की नई टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, इसका भी जायजा लिया। उप्र में बन रही यह अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी पूरी तरह वर्ल्ड क्लास होगी। यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने कहा कि फिल्म सिटी की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हम इसके एक्सेस का पूरा ध्यान रख रहे हैं। फिल्म सिटी में बड़े-बड़े सेट लगाने के लिए बड़ी गाड़ियों का आवागमन होगा, इसको देखते हुए यमुना अथॉरिटी ने 75 मी. इंटरलिंक लेन बनाने का निर्णय लिया है। इसकी प्लानिंग हमने कर ली है, इसका सारा व्यय प्राधिकरण ही करेगा। यमुना प्राधिकरण का स्वभाव है कि वो अपने निवेशकों को नहीं मांगने पर भी उनकी सुविधा के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करता है।

हाईटेक नर्सरी से सस्ते दामों में मिलेंगे उच्च क्वालिटी के पेड़-पौधे

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि किसानों को विभिन्न प्रजातियों के उच्च क्वालिटी के पौधे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इजरायली तकनीक पर आधारित हाइटेक नर्सरी तैयार की जा रही है। यह कार्य मनरेगा अभिसरण के तहत उद्यान विभाग के सहयोग से कराया जा रहा है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों की दीदियां भी इसमें हाथ बंटा रही हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन से कृषि और उद्यानिक फसलों को नई ऊंचाई मिलेगी। सरकार की मंशा है कि हर किसान समृद्ध और बदलते समय के साथ हाईटेक भी बने। सरकार पौधरोपण को बढ़ावा देने के साथ बागबानी से जुड़े किसानों को भी आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का काम कर रही है। मनरेगा से 150 हाईटेक नर्सरी बनाने के लक्ष्य के साथ तेजी से कार्य किया जा रहा है।

एक्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

साबरमती रिवर फ्रंट जैसा मनोरम और आधुनिक सुविधाओं वाला होगा कुकरैल रिवर फ्रंट

■ लखनऊ

लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे प्रस्तावित रिवर फ्रंट अहमदाबाद में स्थित साबरमती रिवर फ्रंट जैसा मनोरम और आधुनिक सुविधाओं वाला हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के क्रम में साबरमती रिवर फ्रंट, अहमदाबाद के अध्ययन के लिए गठित समिति द्वारा पिछले वर्ष ही इसका स्थलीय निरीक्षण एवं भ्रमण कर लिया गया है। रिवर फ्रंट बनाने की कार्यवाही लखनऊ ननि के तहत पूर्ण की जाएगी। इसके लिए ननि द्वारा एसपीवी के गठन से संबंधित ड्राफ्ट शासन को उपलब्ध कराया गया है, जो कि लखनऊ रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. के नाम से होगा।

जल्द तैयार होगा डीपीआर : कुकरैल नदी के किनारे रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए संबंधित कंसल्टेंट द्वारा डीपीआर तैयार किए जाने की कार्यवाही की जा रही है तथा जल्द ही सीएम के समक्ष इसका प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के विजन के अनुरूप कुकरैल नदी को पुनर्जीवित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सीएम योगी के निर्देश पर विभागों को कुकरैल नदी को अविरल, निर्मल और प्रदूषण-मुक्त किए जाने के मिशन पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य गंदे नालों को कुकरैल में प्रवाहित होने से रोकना, नदी तट का सौंदर्यीकरण, साइट डेवलपमेंट और ग्रीन बेल्ट विकसित करना है।

नदी में नहीं जा सकेगा नालों का पानी : मुख्यमंत्री द्वारा कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त और पुनर्जीवित करने के लिए नदी में गिरने वाले 39 नालों को इंटरसेप्ट करने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में प्रथम चरण में 17 नालों को टेप करने का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। 12 नालों का आईडी कार्य क्रियाशील है और शेष इस महीने तक पूरा हो जाएगा। द्वितीय चरण में 22 नालों को टैपिंग कर 6 एमएलडी अशोधित सीवेज को कुकरैल नदी में गिरने से रोका जाएगा। वहीं तृतीय चरण में न्यूनतम जल प्रवाह बनाए रखने के लिए 40 एमएलटी क्षमता का एसटीपी बनाकर शोधित ट्रीटेड एफ्लुएंट को कुकरैल नदी में अपस्ट्रीम में छोड़ा जाएगा। अकबरनगर में नगर निगम की जमीन पर अवैध निर्माण ध्वस्त करने के बाद 1.50 हेक्टे. भूमि पर एसटीपी का कार्य किया जाएगा।

जल स्त्रोतों को किया जाएगा पुनर्जीवित : कुकरैल नदी में पानी की अविरल आपूर्ति के लिए वन क्षेत्र में कुकरैल नदी के जल स्त्रोतों और जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए वॉटर पॉन्ड बनाए जाएंगे। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जल स्त्रोतों और जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा कार्य किया जा रहा है। उप्र जल निगम (नगरीय) द्वारा 40 एमएलडी एसटीपी से पानी नदी में छोड़ा जाना प्रस्तावित है।

सुडोकु-3347

★★★✯✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 3346

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शुरू हुआ विटामिन ए संपूरण अभियान

2.58 करोड़ बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाने का लक्ष्य

■ लखनऊ

विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम के तहत 9 माह से 5 साल तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाने का अभियान 26 जून से शुरू हो गया है जो 25 जुलाई तक चलेगा। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि बच्चों को कुपोषण सहित अन्य बीमारियों से बचाना हमारी प्राथमिकता है। विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम एक पहल है।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि इस बार नौ माह से पांच साल तक के 2.58 करोड़ बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग व आईसीडीएस के जिला स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है जो कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और हितधारकों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नियमित टीकाकरण के महाप्रबंधक डॉ. मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि विटामिन ए संपूरण कार्यकम बाल स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण एवं उपयोगी कार्यक्रम है। इसके तहत 9 माह से 5 साल के बच्चों को साल में दो बार विटामिन ए की खुराक पिलाई जाती है। विटामिन ए बच्चों को रतौंधी, अंधेपन, दस्त और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों से तो बचाता है साथ ही रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाकर बाल मृत्यु दर पर अंकुश लगाने में मदद करता है।

वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन में उप्र है देश का अग्रणी राज्य

बिजनेस बियोन्ड लॉग्स एंड डाइवर्सिफिकेशन कार्यशाला में बोले वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना

■ लखनऊ

वन विभाग ने गुरुवार को 'बिजनेस बियोन्ड लॉग्स एंड डाइवर्सिफिकेशन एंड इनोवेशन फॉर यूपी फॉरेस्ट कॉरपोरेशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, विशिष्ट अतिथि वन राज्य मंत्री केपी मलिक, अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुधीर कुमार शर्मा, वन निगम के प्रबंध निदेशक अनुपम गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) संजय श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुश्रवण एवं कार्ययोजना) सुनील चौधरी ने शुभारंभ किया।

डॉ.अरुण सक्सेना ने कहा कि वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन में उप्र अग्रणी राज्य है। रिवर ट्रेनिंग परियोजना को प्रारम्भ करने से पूर्व औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए प्राथमिकता पर किये जाने पर बल दिया। वन संरक्षण के क्षेत्र में ईको पर्यटन के योगदान पर भी उनके द्वारा चर्चा की। अन्य संभाग्य क्षेत्रों को विकसित किये जाने के महत्व पर भी जोर दिया।

केपी मलिक ने कहा कि वन निगम के लिए विविधीकरण एवं नवाचार विषयवस्तु पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, आयोजकों की दूर दृष्टि व वन निगम को शीर्ष तक ले जाने की अदम्य इच्छा शक्ति को दर्शाता है। मनोज सिंह ने कहा कि संरक्षित क्षेत्रों में वाणिज्यिक विदोहन प्रतिबंधित होने के कारण वन निगम को आवंटित होने वाले वृक्षों की संख्या में कमी आई है। इस परिप्रेक्ष्य में वन निगम को निरंतर क्रियाशील व स्वनिर्भर बने रहने हेतु वृक्ष पातन के नवाचार की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। सुधीर शर्मा ने पांच दशक की यात्रा में वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्रकोष्ठ विदोहन प्रक्रिया में प्रकाष्ठ एवं वनों को होने वाली क्षति एवं वृक्ष पातन अवधि में ठेकेदारों द्वारा किये जाने वाले अवैध पातन पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में सफलता प्राप्त करने हेतु वन निगम की सराहना की।

शब्द पहेली - 3347

रा	क	ल	ड्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	ड	इं	म	ट	वा
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब
म	ध्य	दो	ग	ल्ता	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड़ी	सा	म	त

शब्दजाल में 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

राजस्थान, मध्यप्रदेश,उत्तर प्रदेश,बिहार, गुजरात,महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश,पंजाब

शब्द पहेली - 3346

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	व	त	शा	र
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढा	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	बी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कौ	या	रू
चं	बा	शु	क्र	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

तैयारी
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में पार्क के मेकओवर की प्रक्रिया शुरू

'जनेश्वर मिश्र पार्क' को आधुनिक स्पोर्ट्स जोन बनाएगी योगी सरकार

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृतसंकल्प योगी सरकार ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क के वृहद कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लखनऊ के गोमती नगर में स्थित इस पार्क में लंबे वक्त से एक स्पेशलाइज्ड स्पोर्ट्स एरिना होने की कमी यहां जाने वाले लोगों को महसूस होती थी। इस जरूरत को भांपते हुए योगी सरकार ने पार्क के कायाकल्प की एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की थी। सीएम योगी के विजन अनुसार बनी इस कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने स्पोर्ट्स जोन के विकास के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्ययोजना के अनुसार, 10.16 करोड़ रुपए के व्यय से सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल ग्राउंड समेत टेनिस कोर्ट का भी होगा निर्माण : खास बात ये है कि इन विकास कार्यों के जरिए जिन स्पोर्ट्स एमिनिटीज से पार्क को लैस किया जाएगा उनमें क्रिकेट, फुटबॉल व वॉलीबॉल ग्राउंड समेत टेनिस कोर्ट मुख्य है। इन सभी निर्माण कार्यों को पर्यावरण संरक्षण के मानकों व अन्य महत्वपूर्ण गाइडलाइन का पालन करते हुए पूरा किया जाएगा तथा सभी निर्माणों की उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए भी एक मॉनिटरिंग मैकेनिज्म बनाया जाएगा।

टू बिड प्रक्रिया के जरिए एजेंसी का होगा चयन व कार्यावंटन : पार्क में स्पोर्ट्स जोने के विकास को लेकर होने वाले सभी कार्यों को पूरा करने के लिए एलडीए द्वारा टू बिड प्रक्रिया को क्रियान्वित किया गया है। इस प्रक्रिया के जरिए एक एजेंसी का चयन होगा और वह ही इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के साथ ही एलडीए के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों की डेडलाइन, उच्च गुणवत्ता समेत सभी मानकों के पालन व क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यावंटन के उपरांत एजेंसी की कोशिश होगी कि सभी विकास कार्यों को 9 महीने की अवधि में पूरा कर लिया जाए।

विकास कार्यों की पूर्ति के बाद कई खेल गतिविधियों का हो सकेगा संचालन

168 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 376 एकड़ में विकसित किया गया पार्क में लंबे वक्त से स्पोर्टिंग इवेंट्स के संचालन के लिए एक स्पोर्ट एरीना की कमी महसूस हो रही थी। अब इसी कमी को पूरा करते हुए योगी सरकार के विजन अनुसार वृहद स्पोर्ट्स जोन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एलडीए द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के पूर्ण होने पर लखनऊ वासियों तथा देश-विदेश से पार्क घूमने आने वाले लोगों को विभिन्न स्पोर्टिंग इवेंट्स का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। विकास कार्यों की पूर्ति के जरिए यहां पर नियमित रूप से विभिन्न स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। विकसित होने वाले सभी स्पोर्ट्स एमिनिटीज को आधुनिक स्प्रिंकलर, लाइटिंग व अन्य सुविधाओं से पूर्ण किया जाएगा।

10 रुपये के लिए मासूम को मार डाला

'स्वीमिंग पूल संचालक ने दबा दिया गला... नहीं कांपे आरोपी पिता-पुत्र के हाथ'

हि०सा० बुलन्द आज तक

मुरादाबाद । मां के मुताबिक वीरपाल ने गांव में स्वीमिंग पूल बना लिया था। वो बच्चों से दस-दस रुपये लेता था। वहां आयुष भी नहाने चला गया था। उससे दस रुपये मांग रहे थे, लेकिन रुपये न देने पर उसे पकड़ लिया था।

महज 10 रुपये..., सीमा के परिवार पर इतने भारी पड़ जाएंगे, उसने कभी सोचा भी नहीं होगा। वो बुधवार शाम दोनों बेटों और बेटी को घर में रहकर पढ़ाई करने की सलाह देकर खेत से पशुओं के लिए चारा लेने गई थी, लेकिन वापस आई तो आयुष गायब था। पूछताछ करने पर पता चला है कि वह स्वीमिंग पूल में नहाने गया है।

सीमा का कहना है कि दस रुपये के लिए उसके बेटे की स्वीमिंग पूल संचालक ने हत्या की है। मेरे बेटे को मौत के घाट उतारते हुए आरोपियों के हाथ क्यों नहीं कांपे। सीमा ने बताया कि पति की मौत के बाद डेढ़ साल पहले पति की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। न खेती के लिए जमीन और न ही घर का खर्च चलाने के लिए कमाई का कोई जरिया था। जिस कारण सीमा

ने मजदूरी शुरू कर थी। वह बेटे-बेटी को पढ़ाकर होनहार बनाना चाहती थी, लेकिन आरोपियों ने आयुष को मौत घाट उतार दिया।

महिला ने बताया कि वीरपाल ने गांव में स्वीमिंग पूल बना लिया था। वो बच्चों से दस- दस रुपये लेता था। आयुष भी नहाने चला जाता था। महिला ने बताया कि उसके साथ नहाने गए अन्य बच्चों ने उसे बताया है कि वीरपाल और उसके पिता ने आयुष को पकड़ लिया था। उससे दस रुपये मांग रहे थे, लेकिन रुपये न देने पर उसे नहीं छोड़ा था। इसके बाद अन्य बच्चे अपने घर आ गए थे।

थम नहीं रहे मां सीमा के आंसू, डीआईजी से सामने हो गई बेसुध

मां को ग्यारह साल के आयुष से बहुत उम्मीदें थीं। उसके अचानक साथ छोड़कर चले जाने के बाद उसके आंसू नहीं थम रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर डीआईजी मुनिराज जी महिला के घर पहुंचे तो वह अपना दर्द बयां करते हुए बेसुध हो गई। किसी तरह परिवार के अन्य महिलाओं ने सीमा के मुंह पर पानी छिड़क कर उसे होश में लाया गया। शाम को आयुष का शव गांव पहुंचा तो सीमा शव से लिपटकर रोती रही। गांव की महिलाओं ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी।

डेढ़ माह पहले बनाया गया था स्वीमिंग पुल

वीरपाल और उसके पिता ने डेढ़ माह पहले गांव में स्वीमिंग पूल बनाया था। आरोपी पिता-पुत्र बच्चों से दस-दस रुपये लेते थे। जबकि बड़ों से 50 रुपये किराये लेते हैं। बुधवार को भी काफी संख्या में बच्चे पहुंचे थे। बच्चे रुपये नहीं देते थे तो आरोपी पिता-पुत्र उनकी पिटाई कर देते थे। पुलिस ने आरोपी वीरपाल को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। उसका पिता फरार है।

रात में मिले कपड़े सुबह मिला शव

सीमा और उसके परिवार के लोग रात में ही बच्चे की तलाश में जुट गए थे। रात में गन्ने के खेत में बच्चे का बनियान मिला था। इसके बाद पूरी रात बच्चे की तलाश होती रही। देर रात पुलिस भी गांव पहुंच गई थी। सुबह दोबारा से बच्चे की तलाश की गई तो उसका शव गन्ने के खेत में मिल गया। जबकि उसकी टी शर्ट और चप्पल स्वीपिंग पूल पर पड़े मिले।

दवा और खाना मिलता है.. डॉक्टर देखने आते हैं या नहीं, डीएम ने मरीजों से पूछा तो अफसर हक्के-बक्के

हि०सा० बुलन्द आज तक

मुरादाबाद। मुरादाबाद के नए डीएम अनुज कुमार सिंह ने चार्ज लेने के बाद जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल में सीलन देखकर उन्होंने अधिकारियों को इसे जल्द ठीक करने के निर्देश दिए। इसके बाद मरीजों से कई चीजों के बारे में जाना।

मुरादाबाद के नवागत डीएम अनुज कुमार सिंह चार्ज लेने के चंद घंटे बाद ही जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। वीरवार दोपहर 1:55 बजे डीएम पहुंचे तो तमाम कर्मचारी हक्के बक्के रह गए। जिला अस्पताल को भी 10 मिनट पहले ही डीएम के निरीक्षण की सूचना मिली थीं।

डीएम ने ओपीडी की ओर से होते हुए इमरजेंसी, सर्जरी वार्ड का मुआयना किया। सभी वार्ड में मरीजों के लिए एसी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। इमरजेंसी की दीवार पर सीलन देखकर डीएम नाराज हो गए। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक को मरम्मत कराने के लिए कहा।

एसआईसी डॉ. संगीता गुप्ता ने

उन्हें बताया कि पुताई कराने के लिए बजट नहीं मिला है। मरम्मत के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था लेकिन बजट नहीं मिला। इस पर डीएम ने फौरन एक संस्था के सहयोग से जिला अस्पताल में सीलन व एसी आदि कार्य कराने के निर्देश दिए।

संस्था के सदस्यों ने जिला अस्पताल प्रबंधन से संपर्क किया है। डीएम ने सर्जरी वार्ड में भर्ती मरीजों से बात भी की। उन्होंने मरीजों से पूछा कि समय से दवा व खाना मिलता है या नहीं, डॉक्टर देखने आते हैं या नहीं।

मरीजों से संतोषजनक जवाब दिया। निरीक्षण में डीएम के साथ सीडीओ सुमित यादव, सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल, चिकित्साधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

खुलवाकर देखे सिरींज के बॉक्स

डीएम ने अस्पताल में वेस्ट मैनेजमेंट का भी जायजा लिया। उन्होंने देखा कि बायोमेडिकल वेस्ट व अन्य सामग्री इधर उधर तो नहीं फेंकी जा रही है। मरीजों की दवाओं के बॉक्स व सिरींज आदि भी खुलवाकर देखे। मरीजों के बेड के पास उनके 24 घंटे का प्रोटोकॉल लिखने के लिए कहा।

जो दवाएं उन्हें दी जा रही हैं, उसकी जानकारी रजिस्टर में भरने के लिए कहा गया। दवाओं की उपलब्धता व रखरखाव ठीक पाया गया। दो वार्डों का निरीक्षण करने के बाद डीएम लौट गए। उन्होंने सीलन व चादरों के अलावा अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक बताईं।

महिला अस्पताल का स्टाफ अलर्ट

जिला अस्पताल में मुआयने के दौरान महिला अस्पताल प्रबंधन व स्टाफ अलर्ट हो गया। उन्हें लगा कि डीएम जिला अस्पताल से निकलकर सीधे वहीं पहुंचेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सीएमएस डॉ. निर्मला पाठक ने बताया कि हमारी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं।

आज नहीं तो कल जिलाधिकारी का निरीक्षण होना ही है। साफ सफाई, मरीजों को दवा व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर स्टाफ को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। सामान्य दिनों में भी यह किया जाता है। जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण में इमरजेंसी व एक वार्ड में छिटपुट खामियां मिली हैं। दीवारों पर सीलन है। इसे ठीक कराने के निर्देश दिए हैं। बाकी काम सही पाया गया। जो खामियां संज्ञान में आएंगी उन्हें दूर कराया जाएगा।

- अनुज कुमार सिंह, जिलाधिकारी

यात्रियों के लिए फिर मुसीबत.. पंजाब-पूर्वांचल जाने वाली 28 ट्रेनें रद्द, 14 बदले मार्ग से चलेंगी

हि०सा० बुलन्द आज तक

मुरादाबाद। बारिश के दिनों में ट्रेन से यात्रा करने वाली यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ेंगी। रेलवे ने नॉन इंटरलॉकिंग के कार्य के चलते जननायक, जनसेवा एक्सप्रेस समेत 28 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। इसका असर मुरादाबाद रेल मंडल पर भी रहेगा।

जुलाई में यदि पूर्वांचल और पंजाब की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर के आपके के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। दरअसल एक से चार जुलाई तक गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम होगा। इसके कारण मुरादाबाद से गुजरने वाली जननायक, जनसेवा एक्सप्रेस समेत 28 ट्रेनें रद्द की गई हैं।

इससे पंजाब-बिहार व बिहार-दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर नॉन इंटरलॉकिंग की वजह से

चंपारण सत्याग्रह, जननायक, सप्तक्रांति एक्सप्रेस समेत 14 ट्रेनों का मार्ग भी बदला गया है।

सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि (14010) आनंदविहार-बनमंखी चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस तीन जुलाई तक, (15212) अमृतसर-दरभंगा जननायक एक्सप्रेस एक जुलाई तक, (22552) जलधंर-दरभंगा एक्सप्रेस 30 जून को (05310) आनंदविहार-मऊ स्पेशल 30 जून को रोजा-लखनऊ-बाराबंकी-अयोध्या-मनकपुर होकर चलेगी।

(04003) सीतामढ़ी-नई दिल्ली स्पेशल 28 जून को, (05565) सहरसा-सरहिंद स्पेशल 27 जून को, (22551) डिब्रूगढ़-जलंधर एक्सप्रेस 29 जून को, (05049) छपरा-अमृतसर स्पेशल 28 जून को मनकपुर-अयोध्या-बाराबंकी-लखनऊ-रोजा होकर चलेगी।

(12557) मुजफ्फरपुर-आनंदविहार सप्तक्रांति एक्सप्रेस एक से चार जुलाई तक, (12203) सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस एक जुलाई को मनकपुर-अयोध्या-बाराबंकी होकर चलेगी।

इन ट्रेनों को किया गया है रद्द

04058 आनंदविहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल एक जुलाई
04057 मुजफ्फरपुर-आनंदविहार स्पेशल दो जुलाई
14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस एक से चार जुलाई
14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर एक्सप्रेस दो से पांच जुलाई
22424 अमृतसर-गोरखपुर एक्सप्रेस एक जुलाई
15211 दरभंगा-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस एक से चार जुलाई
15212 अमृतसर-दरभंगा जननायक एक्सप्रेस दो से पांच जुलाई
05323 छपरा-आनंदविहार स्पेशल एक जुलाई
05324 आनंदविहार-छपरा स्पेशल दो जुलाई
05575 सहरसा-सरहिंद स्पेशल एक जुलाई
05576 सरहिंद-सहरास स्पेशल तीन जुलाई
05656 गाजीपुर-जम्मूतवी स्पेशल एक जुलाई
05655 जम्मूतवी-गाजीपुर एक्सप्रेस चार जुलाई
05023 गोरखपुर-आनंदविहार स्पेशल 30 जून
05024 आनंदविहार-गोरखपुर स्पेशल एक जुलाई
05531 रक्सौल-आनंदविहार स्पेशल 30 जुलाई
05532 आनंदविहार-रक्सौल स्पेशल एक जुलाई
04004-03 नई दिल्ली-सीतामढ़ स्पेशल 28 जून व दो जुलाई
04310 देहरादून-गोरखपुर स्पेशल दो जुलाई
04309 गोरखपुर-देहरादून स्पेशल तीन जुलाई
04680 श्री माता वैष्णो देवी-गाजीपुर स्पेशल 28 जून
04679 गाजीपुर-श्री माता वैष्णो देवी स्पेशल एक जुलाई
04654 अमृतसर-न्यूजलपाइगुड़ी स्पेशल तीन जुलाई
04653 न्यूजलपाइगुड़ी-अमृतसर स्पेशल पांच जुलाई
22199 ग्वालियर-बलरामपुर सुशासन एक्स. तीन जुलाई
22200 बलरामपुर-गवालियर सुशासन एक्स. चार जुलाई

देरी से चलेगी अमरनाथ एक्सप्रेस

गाजीपुर से जम्मूतवी के बीच चलने वाली (15653) अमरनाथ एक्सप्रेस तीन जुलाई को कटिहार स्टेशन से 165 मिनट देरी से चलेगी। जबकि जम्मूतवी से गाजीपुर (15652) जम्मूतवी-गाजीपुर अमरनाथ एक्सप्रेस तीन जुलाई को जम्मूतवी स्टेशन से 75 मिनट देरी से चलेगी।

मुरादाबाद में दुस्साहस: युवती को अगवा करने की कोशिश, विरोध पर मां-बाप और भाई को मारी गोली, धमकी भी दे गए आरोपी

हि०सा० बुलन्द आज तक

मुरादाबाद । मुरादाबाद में नकाबपोश बदमाशों ने देर रात एक घर में घुसकर युवती को अगवा करने का प्रयास किया। परिजनों के जाग होने पर उन्होंने इसका विरोध कर आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की। इससे गुस्साए बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इसमें तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गांव में बुधवार देर रात करीब तीन बजे एक युवती को अगवा करने के लिए चार युवक तमंचों से लैस होकर घर में घुस गए। परिवार ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। जिससे युवती के भाई, मां बाप गोली लगने से घायल हो गए।

उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव निवासी ग्रामीण की बेटी को करीब एक साल पहले दूसरे समुदाय का युवक बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया था। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने युवती को बरामद कर परिजनों को सौंप दी।

आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज

दिया गया था। इसके बाद ग्रामीण ने अपनी बेटी की शादी संभल के एक गांव में कर दी थी। आरोपी भी जेल से जमानत पर छूट गया था। युवती के परिवार का कहना है कि बुधवार रात परिवार के सभी लोग घर में सो रहे थे।

रात करीब तीन बजे चार बदमाश चेहरे पर नकाब लगाकर घुसकर उन्होंने युवती की छोटी बहन को तमंचे के बल पर उठा लिया। उसे युवती के बारे में पूछताछ की। युवती ने शोर मचाया तो उसके मां बाप और भाई व बहन भी जाग गई।

बदमाशों ने युवती को अगवा कर ले जाने की कोशिश की। परिवार के विरोध करने पर आरोपी ने तमंचे से युवती के भाई के सीने में गोली मार दी। इसके बाद युवती की मां और बाप को भी गोली मार दी। फायरिंग की आवाज से आस पड़ोस के लोग जाग गए।

उन्होंने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो वह जंगल की ओर भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और तीनों घायलों को अस्पताल भेज दिया गया। युवती के भाई की हालत गंभीर है। उसे रेफर कर दिया गया है।

युवती की छोटी बहन ने बताया कि उसने एक बदमाश के चेहरे से नकाब खींच लिया था। युवती ने उसकी पहचान आरोपी युवक के तौर पर की है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पीड़ित परिवार व गांव वालों से पूछताछ की। उनका कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं।

जमकर बरसे बदरा... रहरा में भरभरा कर गिरी मकान की छत, मलबे में दबने से तीन बच्चे घायल

हि०सा० बुलन्द आज तक

अमरोहा । अमरोहा जिले में जमकर बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। रहरा इलाके में बारिश के दौरान छत गिरने से मलबे के चपेट में तीन बच्चे जख्मी हो गए। उन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। अमरोहा जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मौसम में बदलाव के साथ रात तीन बजे से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सुबह 11 बजे तक जारी रहा। वहीं, हवा भी चलती रही। इससे जहां गर्मी से राहत मिली। वहीं,

लोगों को परेशानी भी झेलनी पड़ी। रहरा क्षेत्र में मकान की छत भरभराकर गिरने से तीन बच्चे घायल हो गए। वहीं नगर में भी दीवार गिर गई। उधर, शहर में जलभराव होने से लोग परेशान रहे। पिछले दो तीन दिनों से मौसम में परिवर्तन हो गया है। बुधवार की सुबह रिमझिम बारिश हुई थी।

वहीं रात में फिर मौसम में बदल गया। तीन बजे के बाद बरसात शुरू हो गई और हवा भी चली। जिससे तापमान में गिरावट आई। 11 बजे तक लगातार आठ घंटे बारिश होने से जनजीवन भी प्रभावित हो गया। गांव पंजू सराय में गंगा शरण के मकान की दीवार बारिश के चलते गिर गई।

गनीमत रही कि कोई उसकी चपेट में नहीं आया। उधर, बारिश के बीच शहर के कैलसा बाईपास, हाशमी नगर, सुभाष नगर, प्रीत बिहार, जोया रोड, मुन्नी देवी अस्पताल समेत कई जगह जलभराव होने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हुई। उधर, बारिश के चलते बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री गिरकर 31 पर पहुंच गया। जबकि, बुधवार को 33 पर रहा था। जिला कृषि अधिकारी बबलू कुमार का कहना है कि मानसून ने दस्तक दे दी है। बारिश लगातार होने की संभावना है। पूरे सप्ताह बारिश होती रहेगी। जिससे गर्मी से राहत मिलेगी।

दूसरे दिन भी सभासदों का धरना प्रदर्शन जारी

कांठ। नगर पंचायत सभासदों ने उनके प्रस्तावों की अनदेखी करने और उन्हें रजिस्टर में अंकित न करने पर दूसरे दिन भी नगर पंचायत कांठ कार्यालय पर अध्यक्ष के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रहा।

नगर पंचायत कांठ में 17 वार्ड हैं। बुधवार को 16 वार्डों के सभासद करीब 12:00 बजे नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे थे। और नगर पंचायत कांठ अध्यक्ष इकबाल आलम अंसारी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर बैठ गए थे। वार्ड सभासदों ने नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बोर्ड की बैठक में जो प्रस्ताव अपने वार्डों के लिखवाते हैं उन्हें रजिस्टर में अंकित नहीं किया जाता है। वार्ड सभासदों का कहना है कि वार्डों में ना तो साफ सफाई हो रही है, और ना ही इन वार्डो के विकास पर ही नगर पंचायत बोर्ड कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वार्ड संख्या 13 में ही सारे विकास कार्य कराए जा रहे हैं। जबकि जनता को उनके वार्डो की जवाब देही उन्हें खुद देनी पड़ रही है। बुधवार की देर शाम प्रशासनिक अधिकारी भी धरने में वार्ता के लिए पहुंचे थे लेकिन कोई बात नहीं बनी। जिसके चलते बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी सभासदों का धरना जारी रहा। सभासदों का कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी तब तक धरना समाप्त नहीं होगा। दूसरे दिन धरने में सोनम कौर,चमन सिंह, मंजू,पिंकी,मनोज कुमार,नसीम अहमद,रिहाना, प्रियंका सैनी, मोहम्मद इल्यास, दिलशाद, मोहम्मद उस्मान, धर्मवीर सिंह, वसीम,रईस अहमद,रुकसाना, जमीला खातून उपस्थित रहीं।

आवश्यकता सूचना

बुलन्द आज तक न्यूज पेपर और न्यूज चेंनल में युवक, युक्तियां की आवश्यकता है। रिपोर्टर बनने के लिए संपर्क करें। सभी जिलों मे तहसील प्रभारी, थाना रिपोर्टर, ब्यूरो चीफ, कैमरामैन, विज्ञापन प्रतिनिधि, आदि बनने के लिए संपर्क करें।

संपादक - मोहम्मद रिजवान

मोबाइल नम्बर - 9045331234

प्रमोद कृष्णम बोले: राहुल ने 15 सालों में कांग्रेस को बर्बाद कर दिया, अब विपक्ष की बारी...; इस बात की दी बधाई

हि०सा० बुलन्द आज तक

हसनपुर (अमरोहा) । आचार्य प्रमोद कृष्णम ने एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान पत्रकारों से वार्ता की। जिसमें कहा कि आज पूरे विश्व में जो सम्मान भारत देश को मिल रहा है। वह आजादी के बाद कभी पहले नहीं मिला।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद जो काम कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता नहीं कर पाए। वह कार्य राहुल गांधी ने कर दिया। राहुल गांधी ने बीते 15 सालों में कांग्रेस को बर्बाद कर दिया है। अब देखना होगा कि वह विपक्ष को कितनी जल्दी बर्बाद करते हैं। फिलहाल उन्हें विपक्ष का नेता बनने पर बधाई। बुधवार देर शाम को कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम हसनपुर में समाजसेवी ताहिर वसीम के घर निजी कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में जो सम्मान भारत देश को मिल रहा है। वह आजादी के बाद कभी पहले नहीं मिला। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उनके नेतृत्व में विकास के पथ पर देश आगे बढ़ता जा रहा है। रक्षा क्षेत्र से लेकर संसाधनों तक देश मजबूत हुआ है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि फैजाबाद लोकसभा सीट हारना अयोध्या की हार नहीं है। अयोध्या ना कभी हारी थी और ना कोई उसे हरा सकता है। प्रत्याशी जीतते हारते रहते हैं। किसी प्रत्याशी की हार को अयोध्या की हार बताना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जो नुकसान भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश के अंदर हुआ है। उसकी समीक्षा भाजपा के उच्च स्तरीय नेता कर रहे हैं। भाजपा में शामिल होने को लेकर जवाब में कहा कि पार्टी में शामिल होना बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात लोगों की सेवा करना है। इस मौके पर रालोद के पूर्व जिला अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, युवा नेता रोबिन त्यागी, राजा खान, हम्जा अली, जावेद जरताब, संजय त्यागी आदि मौजूद रहे।

बुलन्द आज तक समाचार पत्र के कानूनी सलाहकार

ADVOCATE

मुख्तयार हुसैन
एडवोकेट, चैंबर नंबर 125 बगिया कचहरी
मुरादाबाद मो0 नं0 8191082786, 9927392012

नेहा नाज एडवोकेट
चेम्बर नंबर B-127

हि0 सा0 बुलन्द आज तक

RNI NO. UPHIN/2021/80497

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक मौ0 रिजवान के लिए ए. एच. प्रिंटर्स आसालतपुरा लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद 244001 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर कार्यालय हि0सा0 'बुलन्द आज तक' मकान नं0-245 कटार शहीद, नियर शेख अलाउद्दीन गेट नं0-3 मुरादाबाद से प्रकाशित एवं वितरित किया।

मौ0 रिजवान, मोबाईल नं.- 9045331234, 9058012102

ई-मेल : bulandaajtak@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किया सम्मानित

हि०सा० बुलन्द आज तक

दिल्ली। सी डब्लू एस आई आर बैनर तले नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इंटलेक्चुअल कॉन्क्लेव 2024 समारोह में सौरभ सिंघल को हेसेन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी जर्मनी द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ब्रह्मचारी डॉक्टर गिरीश चन्द्र वर्मा की उपस्थिति में यह समारोह हुआ क ब्रह्मचारी डॉक्टर गिरीश चन्द्र वर्मा ने सौरभ सिंघल को स्टेज पर बुलाकर उपाधी से सम्मानित किया । साथ ही उज्जवल भविष्य की शुभ कामनाए दी।

हि०सा० बुलन्द आज तक समाचारपत्र परिवार

मौ0 रिज़वान
सम्पादक

हाजी तैय्यब अंसारी
उप-सम्पादक

हाजी अशफाक
संरक्षक

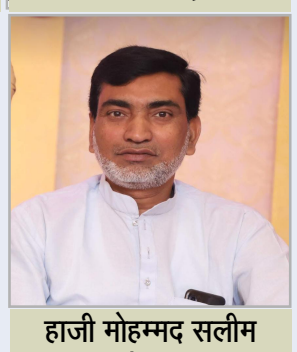

हाजी मोहम्मद सलीम
संरक्षक